501 दूसरा बिक्री 30,000/- 6½ सिमडेगा 476 1000 Rs.

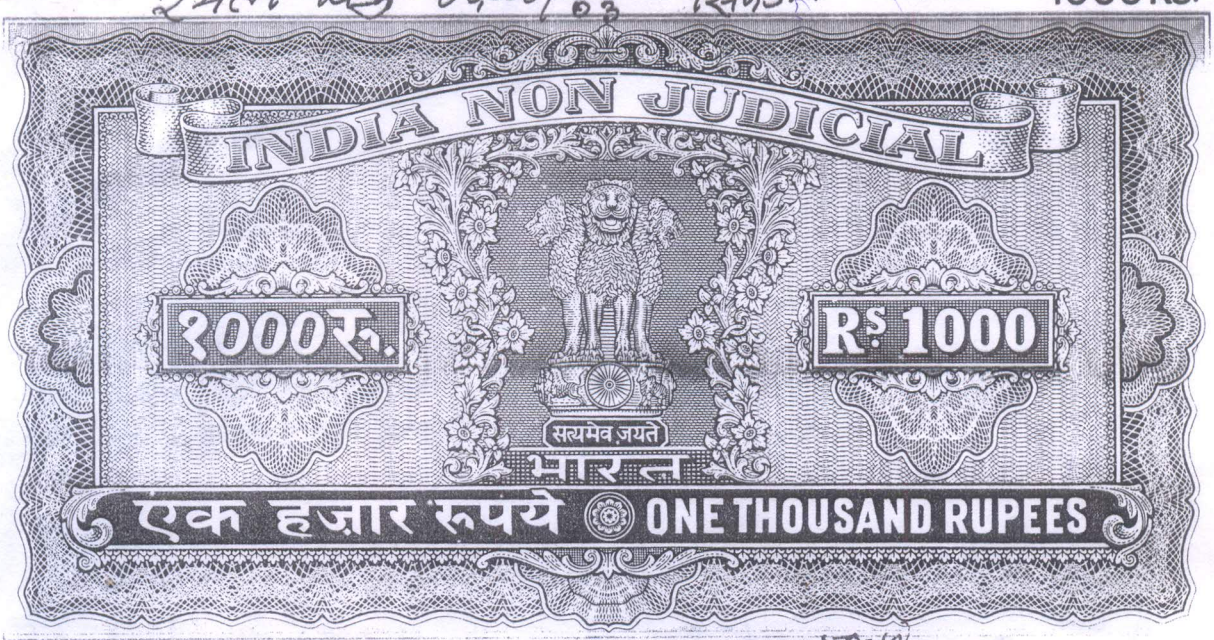

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

46 (1)

मा० स्टाम्प अ० के अधीन रु० 3150-00
अतिरिक्त स्टाम्प AC रु० 600-00
3750/-

23 Rs 1/-

Permanent Sister Simdega

इ (1) 1200.00
उ (क) 36.00
1236.00
अग्रिम 2.50
तलाश 0.94
3.44
1239.44

13.12.94

13/12/94

1, लेख्यकारी - श्री जसमन खड़िया पिता स्वर्गीय इलियाजर खड़िया जाति खड़िया पेशा खेती-बारी निवास गांव सलडेगा डीपाटोली पोस्ट ऑफिस सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला-गुमला। स०प०सं० 144/84 विक्रेता।

2, लेख्यधारीणी :- श्रीमती फुलपा लकड़ा जौजे श्री विश्राम कुल्लू जाति उरांव पेशा नौकरी निवास गांव सलडेगा डीपाटोली पोस्ट ऑफिस सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला गुमला

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

स० प० सं० १४८/९४ । भारतीय नागरिक क्रेतिका ।

३, लेख्यप्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला लैलाकलामी पुत्र-पुत्रादिक एवं वारिसों हमेशा के लिए होता है।

४, मूल्य - मोवलिग तीस हजार अंके 30000) रुपये जिसका आधा पन्द्रह हजार अंके १५000) रुपये होता है।

५, सम्पत्ति :- खराजियत साढ़े आठ ८½ डिसमिल जमीन जिसका पूरा विवरण नीचे दिया गया है।

जमीन का विवरण - अन्दर मौजा सलडेगा थाना नम्बर ११6 पोस्ट ऑफिस सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला गुमला खाता नं० छव ६ प्लाट नं० सात सौ बारह ७१२ रकबा ७१ डीसमिल में से साढ़े आठ अंके ८½ डीसमिल जमीन जानिब पश्चिमी हिस्सा टांड़ III दजियत रैयती मयदखली अपने खास हिस्सा का जमीन पर मेरा हक वो दखल कब्जा निर्विवाद है, चौहद्दी उत्तर आम रास्ता दक्षिण दोन नीज लेख्यकारी का पूरब हाल खरीदा फानुएल खड़िया पश्चिम मकान सीतल प्रसाद वो विक्टोरिया लकड़ा। मालगुजारी मोवलिग तीन पैसे अलावे सेस सालाना। पोस्ट ऑफिस सिमडेगा

मंगल मिंज ता: 13.12.94

गो० मुरली पिता विरुल्ला ग्राम हैदरा कं० रेवका हरिहरसिंह विक्रयकर्ता द्वारा अंगूठा निशानी आदि सिमडेगा जिला गुमला ता० 13.12.94

750 Rs.

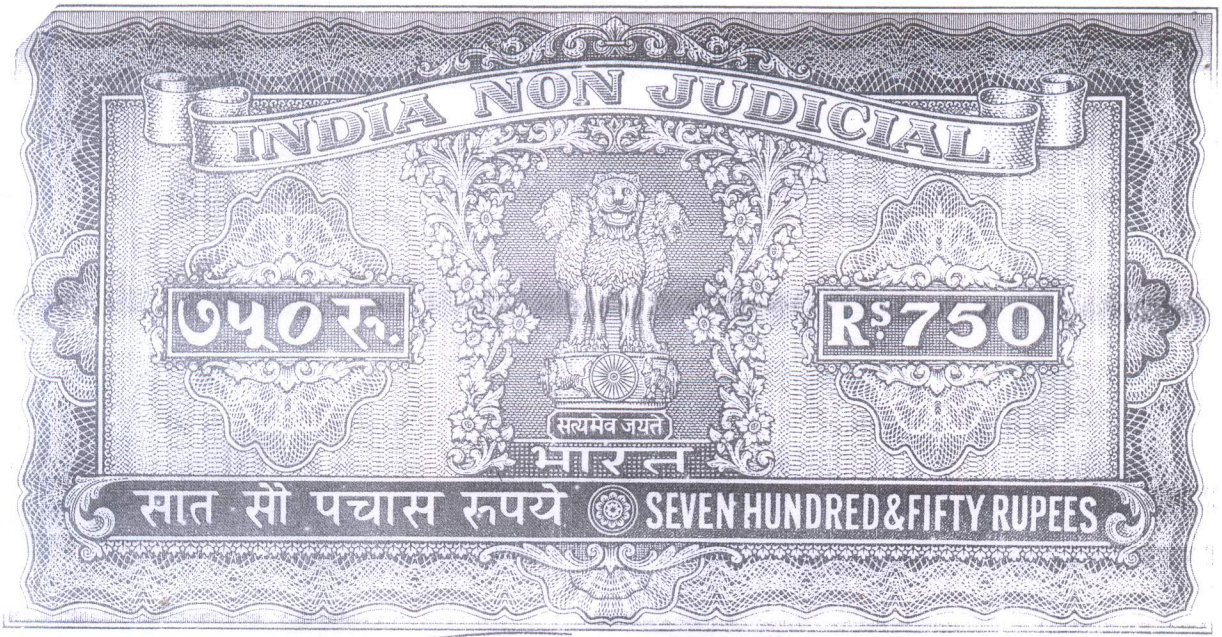

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

थाना सिमडेगा सब रजिस्ट्रार वो सबडिविजन सिमडेगा वो सदर रजिस्ट्रार जिला गुमला। एराजियत जमीन लेख्यकारी के दखल कब्जे का है किसी दूसरों को इससे कोई सरोकार नहीं है वास्ते दूसरी जगह जमीन खरीदने के लिए रुपयें की निहायत जरूरी हुई और बिना जमीन बेचे इस वक्त रुपया मिलने का भिन्न और दूसरा उपाय नहीं है इसलिए मैं ने उपर्युक्त लेख्यधारीणी को अपनी जमीन खरीदने को बोले और उन्होने भी जमीन खरीदना स्वीकार किया अब लेख्यधारी जो कालम संख्या दो में है और जो आइन्दे होंगे पुत्र-पुत्रादिक विक्रीत जमीन पर दखलकार होकर वो रहकर जोत कोड़ करे वो जैसा मुनासिब समझे अमल में लावें मकान बनावें कुंआ खोदवायें वो निर्धारित मालगुजारी अलावे सेष देकर अपने नाम बिहार सरकार बाजरिये अंचलाधिकारी मोकाम सिमडेगा के कार्यालय से दाखिल खारिज कराकर खाजरसीद हर साल लिया करें अब लेख्यकारी को उक्त विक्रीत जमीन पर किसी

[illegible]
ता: 13.12.68

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

किलीम का हक दावी या सरोकार नहीं रहा और न आईन्दे कभी होगा इसलिए अपनी राजी खुशी से शरीर और मन की स्वतन्त्रता में रहकर ऊपर खाना संख्या पांच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारीगी के हाथ मोबलिग तीस हजार (अंक 30,000) रुपये नगद को चुकता लेकर बेची और बेची गई जमीन को कुल अधिकार हस्तान्तरित कर दिये कि प्रमाण रहे। विक्रीत जमीन उपसमाहर्त्ता सिमडेगा की स्वीकृति जिसका वाद संख्या सी० एन० टी० १५५/६३-६४ ई० अन्दर दफा ४६ छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के अन्तर्गत जिसमें मंजूरी तारीख २३-६-१९६४ ई० वो मेमो नं० ८८८(ii) तारीख २४-६-१९६४ ई० के आधार पर लिखा गया है। लेख्यकारी के कहे मोताबिक पढ़ा

ता: 13.12.68

500 Rs.

केवाला लिखा और पढ़कर सुना दिया एवं खुद पढ़कर वो समझकर मजमून मंजूर किये। हमलोग घोषित करते हैं कि विक्रीत वो धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

प्रारूप कर्त्ता सुनील कुमार बक्शी अधिवक्ता सिमडेगा
ता: 13-12-94

लिपिकार सिरील तिर्की ताईद अधिवक्ता सिमडेगा कोर्ट आज दिनांक 13-12-1994 ई०

जसमन नकड़िया
ता: 13.12.94

जसमन नकड़िया
ता: 13.12.94